बुद्ध काल या मौर्यपूर्व काल के जानकारी के पुरातात्विक स्त्रोत

डॉ विभूति भूषण
सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

पुरातात्विक स्त्रोतों अर्थात खनन में प्राप्त वस्तुओं से भी इस काल के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां मिली है. पुरातात्विक स्त्रोतों में NBPW (north black polished ware – चित्रित धूसर मृदभांड) एवं आहत सिक्के प्रमुख है|

आहत सिक्के:

- आहत सिक्कों को धातु के चादरों को काट कर उनपर प्रतीकों का ठप्पा लगा कर बनाया जाता था.
- यह सांचे में नहीं ढाले गये होते थे. इन पर विभिन्न प्रतीक बने होते थे.
- जैसे सूर्य, चंद्र, पहाड़ी, वृक्ष, मानक आदि.
- प्रारंभ में इन सिक्कों का प्रचलन व्यापारियों द्वारा किया गया था, राज्यों द्वारा नहीं.
- राज्य एवं शासकों में नंद वंश प्रथम था जिसने सिक्का जारी किया.